सरकार, समाज और निगरानी समितियां मिलकर कार्य करेंगे, तो निर्णय हमारे पक्ष में होगा : सीएम

लखनऊ(संवाददाता) : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई अब उस स्थिति में पहुंच चुकी है, जिसमें हम सभी को पूरी मजबूती से जुटना होगा। सरकार, समाज, स्वास्थ्य कर्मी, स्वच्छता कर्मी, स्वैच्छिक संगठन, निगरानी समितियां मिलकर कार्य करेंगे, तो निर्णय हमारे पक्ष में होगा। मुख्यमंत्री निगरानी समितियों की गतिविधियों के संबंध में वर्चुअल माध्यम से आयोजित द्विपक्षीय संवाद कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की निगरानी समितियों के सदस्यों से संवाद स्थापित किया। प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में ७२ हजार से अधिक निगरानी समितियां सराहनीय कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना में उपचार से अधिक बचाव महत्वपूर्ण है। आशा, आंगनबाड़ी, युवक मंगल दल, महिला मंगल दल और सिविल डिफेंस आदि के स्वयंसेवक अच्छा कार्य कर रहे हैं। निगरानी समितियों ने कोरोना की पहली वेव में अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य किया था। उन्होंने कहा कि सरकार ने लगातार टेस्टिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने का कार्य किया, जिसके परिणामस्वरूप आज दो लाख से सवा दो लाख टेस्ट प्रतिदिन करने की क्षमता सुनिश्चित है। १० मई तक आरटीपीसीआर टेस्ट की संख्या को दोगुना करने की तैयारी की जा रही है। आज हमारे पास एल-१ श्रेणी के १ लाख १६ हजार और एल-२ व एल-३ श्रेणी के ६५ हजार बेड उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि समय पर उपचार दिलाने में निगरानी समितियों का बड़ा योगदान है। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारियों, जिला पंचायतीराज अधिकारियों, नगर आयुक्तों, अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सुनिश्चित करें कि निगरानी समितियों के पास इन्फ्रारेड थर्मामीटर, पल्स ऑक्सीमीटर और सैनिटाइजर अवश्य हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर कोविड पॉजिटिव को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है। इसी प्रकार प्रत्येक कोरोना मरीज के लिए ऑक्सीजन, वेंटीलेटर या रेमडेसिविर आवश्यक नहीं है। निगरानी समितियां अपने क्षेत्र में प्रवासी कामगारों और अभिकों की इन्फ्रारेड थर्मामीटर से जांच करें। एंटीजेन टेस्ट या आरटीपीसीआर जांच में विलंब हो, तो ट्रूनेट मशीन से टेस्टिंग कराई जाए।

जांच में पॉजिटिव पाए गए व्यक्ति के उपचार की व्यवस्था की जाए। मेडिकल किट उपलब्ध कराने में यदि कोई दिक्कत आए तो निगरानी समितियां मुख्य विकास अधिकारी को अवगत करा सकती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव में क्वारंटीन सेंटर विद्यालय, पंचायत भवन या किसी अन्य सार्वजनिक भवन में स्थापित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' को माह मई व जून के लिए पुनः प्रारम्भ किए जाने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न पैकेज का लाभ हर जरूरतमन्द को उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्पित है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर, बस्ती और मीरजापुर की समीक्षा निगरानी समितियों और गाजियाबाद, किरोवाबाद व कुशीनगर के शहरी क्षेत्रों की निगरानी समितियों के सदस्यों के साथ संवाद कर लोगों द्वारा उनके कार्यों की जानकारी ली। वर्चुअल संवाद कार्यक्रम में नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन और पंचायतीराज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी शामिल हुए।

अपनी हैसियत के मुताबिक महामारी से निपटने के लिए लगे जनप्रतिनिधि व दल

इंदौर(संवाददाता) : महामारी से निपटने के लिए सभी जनप्रतिनिधि और दल अपनी हैसियत के मुताबिक काम कर रहे हैं। नगर भाजपा ने शहर के सातों विधानसभा क्षेत्रियों के अस्पतालों की सूची बना रखी है और उस क्षेत्र के मरीजों को वहीं दाखिल कराया जा रहा है। कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला प्रशासन के असहयोगात्मक रवैये से नाराज जरूर हैं लेकिन उन्हें भी मरीजों की जल्दी ही चिंता है, अब उन्होंने सरकारी अस्पतालों में दाखिल मरीजों के परिजनों को भोजन वितरण का अभियान चला रखा है। भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे को संक्रमित मरीजों की बढ़ती चिंता सता रही है, रात दो बजे तक सो पाते हैं। जोवरा कंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय एक तरह से उनका कंट्रोल रूम बन गया है। एक दो नहीं पांच मोबाइलों की घंटी रह रहकर बजती रहती है और कभी वो अस्पतालों की सूची उठाते हैं तो कभी मंडल अध्यक्षों के चर्चुअल बैठक का समन्वय भी करते रहते हैं।

इस बीच सांसद-प्रभारी मंत्री का फोन आ जाए तो बैठक में शामिल होकर पुनः यहीं आ जाते हैं। शहर के सातों विधानसभा (यह भी उषा ठाकुर मोर्चा संभाले हुए हैं) में किस क्षेत्र में कितने अस्पताल हैं, इनमें कितने सामान्य हैं, कितने में ऑक्सीजन की सुविधा नहीं है, इन अस्पतालों को ए, बी, सी, डी श्रेणी में बांट रखा है। जिस क्षेत्र में मरीज को अस्पताल में बेड नहीं मिलने की सूचना कार्यकर्ता से मिलती है, वो मरीज का ऑक्सीजन लेवल, सीटी स्कैन रिपोर्ट आदि की जानकारी लेते हैं और उस विधानसभा क्षेत्र के आवश्यक सुविधा वाले अस्पताल को सूचित करते हैं और उनके फोन पर उपादात्ता को बेड मिल भी जाता है। इस बीच ऑक्सीजन सिलेंडर या रेमडेसिविर की आवश्यकता वाले फोन पर वे असमर्थता व्यक्त कर देते हैं। इंजेक्शन के संकट को लेकर यह कहना भी नहीं भूलते कि इंदौर के डॉक्टरों ने लिख लिख कर इंजेक्शन को हौवा बना दिया है। कोरोना का कहर सब जगह है लेकिन मुंबई, दिल्ली आदि में भी वहां जैसी डिमांड नहीं दिखी। अब बात करें कांग्रेस की तो शहर अध्यक्ष विनय बाकलीवाल को जितनी बार फोन लगाओ, स्विच्ड ऑफ का ही संदेश बजता रहा। विपक्ष में अभी विधायक संजय शुक्ला ही किला लड़ा रहे हैं। पराजयी प्रत्याशा स्थित उनके ऑफिस के बाहर मदद के लिए इंतजार करते मरीजों के परिजनों की भीड़ लगी थी। विधायक संजय शुक्ला पहुंचे तो उनका स्टाफ भी सक्रिय हो गया। उनके मीडिया एडवाइजर सुनील अग्रवाल ने डॉक्टर को सलाह याद दिलाई तो एक अन्य सहयोगी को कैंची लाने को और कलाई पर बंधे मंदिरों के पवनगी डोरे काटने को कहा, कहने लगे भैया डॉक्टर ने समझाया था कि कोरोना संक्रमण इन डोरों पर विषक संकता है। बातचीत चल रही थी कि एक अन्य सहयोगी ने कहा भैया भोजन पैकेट वाली गाड़ी आ गई है। तो बताने लगे सरकारी अस्पतालों में भर्ती मरीजों को तो अस्पताल से खाना मिल जाता है लेकिन उनके परिजन भूखे प्यासे बाहर बैठे रहते हैं।

होटल-ढाबे खुल नहीं रहे तो मैंने तय किया है कि उन सब को भोजन तो मिल ही जाए। अभी सुपर स्पेशियलिटी जाऊंगा, फिर वहीं सरकारी अस्पतालों पर। ऑक्सीजन सिलेंडर, रेमडिसिविर इंजेक्शन को मदद नहीं कर पाने का अफसोस है। मैं तो आज भी पांचहजार इंजेक्शन खरीद सकता हूं, प्रशासन सुनता ही नहीं। वो यह कहने से भी नहीं चूकते कि भाजपा विधायकों को फोन में इंजेक्शन दिए जा रहे हैं, हम भी अस्पताल से खाना खिला रहे हैं। विधायक हैं लेकिन जिला प्रशासन सुनता ही नहीं। इसी बीच फोन बजता है, विधायक विशाल पटेल से कहते हैं अपने से जितना बन रहा है सबके लिए कर रहे हैं, लोगों को भी समझ आ रहा है हमारे साथ कैसा भेदभाव कर रहे हैं। बातचीत खत्म होते ही विधायक शुक्ला पूर्व महापौर कल्पना आनंद मोहन माथुर का भी आभार मानते हुए कहते हैं प्रशासन से हमती लंबे समय से मेक्कॉल हॉस्पिटल शुरू करने की मांग कर रहे थे, माथुर साब ने पिटिशन लगाई तो हाईकोर्ट के निर्देश पर अब प्रशासन को सेवाकुंज अस्पताल शुरू करना पड़ रहा है।

वैक्सीन लगवाने की चाह, पंजीयन को दिखा उत्साह

बलिया(संवाददाता) : पहली मई से १८ वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं को कोरोना वैक्सीन लगनी है। इसके लिए बुधवार से पंजीयन शुरू हो गया। इसके युवा साइबर कैफे व मोबाइल पर पोर्टल को खोलने का प्रयास करते रहे। हालांकि, पोर्टल शाम चार बजे ही खुला, जिसके बाद युवाओं ने उत्साह से अपना पंजीयन करना शुरू किया। इस दौरान सर्वर की समस्या भी आती रही, लेकिन उनका उत्साह कम नहीं हुआ। पंजीयन करने के साथ पोर्टल खुलने की जानकारी भी एक-दूसरे से साझा करते हुए दिखाई दिए। शहर के राजपूत नेउरी निवासी आर्यन सिंह, सहोदरा की रुचि, जीरावन्ती के अनूप वर्मा, बेरुआसाही निवासी राजू तुर्ये, गांधीनगर निवासी शैलेंद्र यादव आदि ने अपने रजिस्ट्रेशन के बाद खुशी का इजहार किया। सबका कहना था कि वैक्सीन लगाने का इंतजार काफी समय से कर रहे थे, लेकिन गाइडलाइन की वजह से ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था। अब १८ वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को वैक्सीन लगवाने की अनुमति दी, यह सराहनीय पहल है। ज्यादातर युवा ही कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते हैं। सबसे ज्यादा १८ से ४५ वर्ष तक के लोग ही प्रभावित हो रहे। यही वर्ग कर्मशील है और कल का भविष्य भी इसलिए सरकार का यह निर्णय स्वागत योग्य है। जेपी शुक्ल, शारदा हास्पिटल, सिकंदपुर कोरोना को हराने में वैक्सीन काफी मददगार साबित हो रहा है। इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। सरकार का यह प्रयास सराहनीय है। सभी लोग वैक्सीन लगवा लें।

उम्र पर भी भारी मतदान का जोश, बुजुर्गों ने भी निभाई जिम्मेदारी

सीतापुर: यह लोकतंत्र के प्रति श्रद्धा व विश्वास का ही नायाब रूप है कि मतदान करने को लेकर हर वर्ग उत्साहित है। खूब हो या फिर बुर्जुग हर कोई अपने मताधिकार का प्रयोग करने में पीछे नहीं है। ऐसा ही दृश्य जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों पर देखने को मिला। जहां कई वृद्ध जो चलने फिरने में भी असमर्थ थे वह खुद पर पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कोई लाठी टेककर पहुंचा तो कोई अपने पोता के किसी चुना के कंधे पर सवार होकर पहुंचा। सभी ने अपने वोट का प्रयोग करोड़ लोकतंत्र के इस महापर्व में आहुति डाली। धानगांव: क्षेत्र के ग्राम पंचायत तमोरा में मतदाताओं में पंचायत चुनाव के लिए उत्साह दिखाई दिया। सुबह से ही बड़ी तादाद में मतदाता बूथ पर पहुंचे। हलीमनगर खंड निवासी ८० वर्षीय जगर चलने-फिरने में लाचार हैं। वह स्वयं बूथ जाने की जिद पर उन्हीं अपने पुत्र फतेह, मजेदा का सहारा लिया। फतेहनगर मदेन अपने पिता जगर को कुर्सी पर बैठाकर वोट डलवाने के लिए बूथ पर पहुंचे। तगांव: मस्तान केंद्र सुनीवन में ९५ वर्षीय सकिंटा प्रसाद अपने बेटे के साथ साइकिल से पहुंचे थे। गर्मी से धूप से परेशान होकर एक पेड़ के नीचे बैठ गए। कुछ देर सुस्ताने के बाद पुलिसकर्मी ने उनके अलग मेमोरान्डम में जाने की इजाजत दे दी। मैसिलाएप: ७८ वर्षीय मुन्ना खूब के साथ मतदान केंद्र पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बर्दा जलालपुर: शाह जलालपुर ९० वर्षीय गोधन विश्वकर्मा चलने में असमर्थ। वह वैलिया मेमोरान्डम केंद्र पहुंचे। वहीं बूथ के अंदर अपने पुत्र गमलाखन विश्वकर्मा की पीठ पर लदकर दाखिल हुए और वोट डाला। पिपरौंदा: यहां भाजपा के वृद्ध नेता रामेश्वर तिवारी व्हीलचेयर पर पहुंचे और अपना वोट डाला।